हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 x 5 = 5

मनुष्य सामाजिक प्राणी है क्योंकि समाज के बिना उसका जीवन अधूरा है। समाज में रहते हुए उसे अपने सुख-दुख को कहने-सुनने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने एवं कार्यों में सहयोग लेने के लिए दूसरों की आवश्यकता पड़ती है जिससे वह दिल खोलकर अपनी सब बातें कर सके। ऐसा व्यक्ति ही मित्र कहलाता है। मित्र का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। कुछ लोग किसी की बाहरी चमक-दमक, बोल-चाल तथा आर्थिक स्थिति को देखकर उससे मित्रता कर लेते हैं। इस प्रकार की मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चलती। सच्चे मित्र का चयन करने के लिए उसके व्यवहार, आचरण तथा चरित्र पर ध्यान देना आवश्यक होता है। सच्चा मित्र विश्वासपात्र, दूसरों की भावनाओं को समझने वाला, विनम्र, सदाचारी तथा चरित्रवान होता है।

(क) मनुष्य को सामाजिक प्राणी क्यों कहा गया है?

उत्तर : समाज के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा है। उसे दूसरों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है इसीलिए उसे सामाजिक प्राणी कहा गया है।

(ख) व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

उत्तर : अपने सुख-दुख को कहने-सुनने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने एवं कार्यों में सहयोग के लिए व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता पड़ती है।

(ग) किस प्रकार की मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चलती है?

उत्तर : किसी की बाहरी चमक-दमक, बोल-चाल तथा आर्थिक स्थिति को देखकर की गई मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चलती है।

(घ) सच्चे मित्र में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

उत्तर : सच्चा मित्र विश्वासपात्र, दूसरों की भावनाओं को समझने वाला, विनम्र, सदाचारी तथा चरित्रवान होना चाहिए।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए 'सच्चा मित्र' उचित शीर्षक है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर, उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 x 5 = 5

पर्वत कहता शीश उठाकर तुम भी ऊँचे बन जाओ
सागर कहता लहराकर मन में गहराई लाओ।
समझ रहे हो क्या कहती है, उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग
भर लो, भर लो अपने मन में मीठी-मीठी मृदुल उमंग।
पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो, कितना ही सिर पर हो भार
नभ कहता है फैलो इतना, ढँक लो तुम सारा संसार।

क) कौन कहता है - "फैलो इतना, ढँक लो तुम सारा संसार"?

उत्तर : नभ कहता है - "फैलो इतना, ढँक लो तुम सारा संसार"।

ख) पर्वत क्या कहता है?

उत्तर : पर्वत ऊँचे बन जाने को कहता है।

ग) गिरि, पहाड़, अचल किस शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं?

उत्तर : उपर्युक्त सभी शब्द 'पर्वत' शब्द के पर्यायवाची हैं।

घ) इन में से किस शब्द का अर्थ 'कोमल' है?

(i) शीश (ii) मृदुल (iii) धैर्य (iv) तरंग

उत्तर : मृदुल

ङ) पर्वत, सागर, पृथ्वी और नभ हमें क्या देते हैं?

उत्तर : पर्वत, सागर, पृथ्वी और नभ हमें जीवन में सीख देते हैं।

खंड - ख

प्रश्न 3. i) निम्नलिखित क्रियाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए : 1x2 = 2

क) थकना - थकावट

ख) पिसना - पिसाई

ii) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए : 1 x 4 = 4

पक्षी - खग, पखेरू, विहग

घर - निकेतन, गृह, आलय, भवन

इच्छा - चाह, कामना, अभिलाषा

घमंड - अंहकार, दर्प, अभिमान

iii) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 1 x 2 = 2

क) बच्चे को काटकर सेब खिलाओ।

उत्तर : बच्चे को सेब काटकर खिलाओ।

ख) सारे देश भर में बात फैल गई।

उत्तर : सारे देश में बात फैल गई।

iv) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय पहचानिए : 1 x 2 = 2

क) कथाकार - कार

ख) जलन - अन

v) निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधवाचक सर्वनाम शब्द को रेखांकित कीजिए : 1 x 3 = 3

क) मेरी वह घड़ी खो गई <u>जो</u> मुझे जन्मदिन पर मिली थी।

ख) यह वही फिल्म है <u>जिसे</u> तुम देखना चाहते थे।

ग) <u>जो</u> करेगा <u>सो</u> भरेगा।

vi) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : 1 x 3 = 3

क) वसंत x पतझड़

ख) विरोध x समर्थन

ग) आरंभ x अंत

vii) संधि विच्छेद कीजिए : 1 x 2 = 2

क) पुरस्कार - पुर : + कार

ख) देहांत - देह + अंत

viii) निम्नलिखित रेखांकित विशेषण शब्दों भेद पहचानिए : 1x2 = 2

क) इस साल <u>अधिक</u> वर्षा हुई। - परिमाणवाचक विशेषण

ख) <u>यह</u> पुस्तक मेरी है। - सार्वनामिक विशेषण

ix) नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए : 1x2=2

क) दान - आ + दान = आदान

ख) राग - अनु + राग = अनुराग

x) किन्हीं **तीन** मुहावरों के अर्थ लिखिए : 1x3=3

क) आकाश पाताल एक करना - बहुत अधिक परिश्रम करना

ख) कलई खुलना - भेद खुलना

घ) पहाड़ टूटना - बहुत भारी कष्ट आ जाना

खंड - ग

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 4 = 8

1. पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई?

   उत्तर : अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई क्योंकि आदमी अक्षरों की खोज से हम इतिहास को जान पाए। अक्षरों की खोज के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षरों की खोज मनुष्य को प्रगति के पथ पर ले गई।

2. लाखों-करोडों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

   उत्तर : लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था। धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।

प्रश्न 5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में लिखो : 3 x 3 = 9

1. 'कुछ खास तो नहीं'- हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों हुआ?

   उत्तर : एक बार हेलेन केलर की प्रिय मित्र जंगल में घूमने गई थी। जब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससे जंगल के बारे में जानना चाहा तब उसकी मित्र ने जवाब दिया कि कुछ खास नहीं। यह सुनकर हेलेन केलर को बड़ा आश्चर्य हुआ कि लोग कैसे आँखें होकर भी नहीं देखते हैं क्योंकि वे तो आँखें न होने के बावजूद भी प्रकृति की

बहुत सारी चीजों को केवल स्पर्श से ही महसूस कर लेती हैं।

2. क्या लोकगीत और नृत्य सिर्फ गाँवों या कबीलों में ही पाए जाते हैं? शहरों के कौन से लोकगीत हो सकते हैं? इस पर विचार कर लिखो।

   उत्तर : लोकगीत और लोक नृत्य गाँवों या कबीलों में ही प्रसिद्ध हैं क्योंकि शहरी जीवन अति व्यस्त होता है। शहर में जगह की भी कमी पाई जाती है परन्तु कुछ खास अवसरों जैसे विवाह, त्योहार, धार्मिक अनुष्ठान आदि पर यहाँ पर भी लोग अपने-अपने गाँवों से लोक कलाकार और लोक नर्तकों को बुलाते हैं।

3. आश्रम में गाँधी जी कई ऐसे काम भी करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर-चाकर करते हैं। पाठ से तीन अलग-अलग प्रसंग अपने शब्दों में लिखो जो इस बात का प्रमाण हों।

   उत्तर :

   1. गाँधी जी आश्रम में चक्की में आटा स्वयं पीसा करते थे।
   2. आश्रम में वे सब्जियाँ छीलने का कार्य करते थे।
   3. आश्रम के नियमानुसार सभी को मिल-बाँटकर बर्तन साफ़ करने पड़ते थे। एक बार उन्होंने बड़े बर्तनों की सफाई का काम अपने हाथ में ले लिया।

4. लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्सी से क्यों की?

   उत्तर : लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्सी की है क्योंकि मधुमक्खी विभिन्न फूलों से रस इकट्ठा करती है उसी प्रकार राज्प्पा ने भी विभिन्न स्थानों और व्यक्तियों से टिकट इकट्ठा कर अपना अलबम तैयार किया है।

5. बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी?

उत्तर : कहा जाता है कि इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीज़ें बनानी शुरू कीं, बाँस की चीज़ें तभी से बन रही हैं। जरूरत के अनुसार इसमें बदलाव हुए हैं और अब भी हो रहे हैं। कहते हैं कि बाँस की बुनाई का रिश्ता उस दौर से है, जब इंसान भोजन इकट्ठा करता था। शायद भोजन इकट्ठा करने के लिए ही उसने ऐसी डलियानुमा चीज़ें बनाई होंगी। क्या पता बया जैसी किसी चिड़िया के घोंसले से टोकरी के आकार और बुनावट की तरकीब हाथ लगी हो।

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 4 = 8

1. कविता में स्वाधीनता संग्राम के किस दौर की बात है? कविता से उस समय के माहौल के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर : कविता में स्वाधीनता संग्राम के प्रथम दौर की बात है। कविता से उस समय के माहौल के बारे में यह पता चलता है कि अँग्रेजों ने धीरे-धीरे से अपना साम्राज्य हमारे देश में फैला लिया था। उस समय भी हमारे देश में स्वतंत्र होने की भावना के बीज फूटे जरुर थे परन्तु संघटन का अभाव, राजाओं की स्वार्थ प्रवृत्ति, आपसी फूट आदि के कारण हमारा आंदोलन सफल न हो पाया। ऐसे विषम वातावरण में भी झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई और कुछ अन्य वीरों ने स्वतंत्रता की चिंगारी को सुलगाने का अभूतपूर्व प्रयास किया।

2. कविता में किसके आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है और क्यों?

उत्तर : कविता में माँ के आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है।

माँ अपने बच्चों से सबसे अधिक प्यार करती है और उसके इस प्यार के आँचल में बच्चा हमेशा अपने को निर्भय और सुरक्षित समझता है।

3. राम बैठकर देर तक काँटे क्यों निकालते रहे?

उत्तर : राम से अपनी पत्नी की व्याकुलता देखी नहीं जा रही थी। सीता का प्यास के मारे बुरा हाल था और लक्ष्मण पानी की तलाश में गए हुए थे अत:जब तक लक्ष्मण लौट कर आते हैं तब तक वे सीता की व्याकुलता और कष्ट को कम करना चाहते थे इसलिए राम बैठकर देर तक काँटे निकालते रहे।

4. 'धरि धीर दए' का आशय क्या है?

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय धैर्य धारण करने से है। सीता वन मार्ग पर अग्रसर होते हुए, राम का साथ देते हुए, तकलीफों को सहते हुए मन-ही-मन स्वयं को धीरज बँधाकर बड़े ही धैर्य के साथ वन मार्ग पर चल रही थी।

प्रश्न 7. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : 1x5=5

क) बुंदेले हरबोलों के मुँह से हमने कौन-सी कहानी सुनी है?

उत्तर : बुंदेले हरबोलों के मुँह से हमने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की सुनी है।

ख) 'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?

उत्तर : प्रकृति के अनमोल खजाने को, उसके अनमोल सौंदर्य और उसमें होने वाले नित्य-प्रतिदिन बदलाव को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

ग) कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?

उत्तर : अपने माँ के स्नेह को हमेशा पाने के लिए, हमेशा उसके ममता के आँचल के साए में रहने के लिए कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' कहा गया है।

घ) नारियों के गीतों की क्या विशेषता है?

उत्तर : नारियों के गीतों की विशेषता है कि वह दल बाँधकर गाए जाते हैं।

ङ) आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने कौन-सा काम करवाया?

उत्तर : आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेंहूँ बीनने का काम करवाया।

च) नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई?

उत्तर : मार्ग में दो कदम चलते ही सीता के माथे पर पसीने की बूँदें झलकने लगी। उनके होठ सूख गए और वे शीघ्र ही थक गई।

छ) बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है?

उत्तर : तीन वर्ष से अधिक उम्र वाले बाँस को बूढ़ा बाँस कहा जाता है।

ज) 'लक्ष्मीबाई अपने-आप में स्मारक थी' - ऐसा क्यों कहा गया है?

उत्तर : लक्ष्मीबाई ने अपने जीवन में ऐसे कार्य किए जिनके लिए वह अमर रहेगी। इसलिए कहा गया है कि उसे याद करने हेतु किसी स्मारक की आवश्यकता नहीं।

प्रश्न 8. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

असम में ऐसे ही एक जाल, जकाई से मछली पकड़ते हैं। छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए इसे पानी की सतह पर रखा जाता है या फिर धीरे-धीरे चलते हुए खींचा जाता है। बाँस की खपच्चियों को इस तरह बाँधा जाता है कि वे एक शंकु का आकार ले लें। इस शंकु का ऊपरी सिरा अंडाकार होता है। निचले नुकीले सिरे पर खपच्चियाँ एक-दूसरे में गुँथी हुई होती है।

1. उपर्युक्त गद्यांश कौन-से पाठ से लिया गया है?
   क) वन के मार्ग में ख) बाँस की कहानी
   ग) संसार पुस्तक है घ) साँस साँस में बाँस

2. मछली किससे पकड़ी जाती है?
   क) काँटें ख) जकाई ग) छलनी घ) इनमें से कोई नहीं

3. उपर्युक्त गद्यांश में किस प्रदेश की बात की गई है?
   क) असम ख) बंगाल ग) त्रिपुरा घ) इनमें से कोई नहीं

4. बाँस की खपच्चियों को किस प्रकार बाँधा जाता है?
   क) शंकु के आकार में ख) त्रिशंकु ग) गोल घ) चौकोन

5. 'मछली' शब्द के लिए पर्यायवाची शब्द दें।
   क) मत्स्य, मीन ख) जलचर, उभयचर
   ग) मीनाक्षी, मत्स्यिकी घ) मत्स्यगंधा, मासली

प्रश्न 9. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए : 1 x 5 = 5

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सौऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!
बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!
हाथ पकड फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात
अपने कर से खिला, धुलामुख,
धुल पौंछ, सज्जित कर गात
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात!

1. मैं सबसे छोटी होऊँ, से कवि क्या कहना चाह रहे हैं?
   क) <u>हमेशा अपनी माँ का साथ पाने की लालसा</u>
   ख) हर-समय खेलते रहने की कामना
   ग) उधम-मस्ती की अभिलाषा
   घ) इनमें से कोई नहीं

2. उपर्युक्त कविता में किस संबंध को दर्शाया गया है?
   क) पिता-पुत्र
   ख) <u>माँ-बेटी</u>
   ग) माता-बहन
   घ) बहन-बेटी

तात्पर्य है?

क) उससे दूर जाती है

ख) पाल-पोसकर माँ फिर साथ छोड़ देती है

ग) साथ माँगती है

घ) उससे काम करवाती है

4. 'सदा' शब्द के समान अर्थ बताइए।

क) बराबर, एकदम

ख) हरदम, एक-साथ

ग) हमेशा, निरंतर

घ) उपर्युक्त सभी

5. 'सज्जित' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

क) इत ख) ईत ग) इट घ) जित

खंड - घ

प्रश्न 10. 'महिलाएँ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही है' इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

आज भारतीय महिलाएँ घर की चाहरदीवारी से बाहर निकलकर, रुढ़िवादी सोच को पार कर विभिन्न व्यवसायों और सेवाओं में कार्यरत है। महिलाएँ संघ लोक सेवा आयोग, राज्य सेवा आयोग या अन्य कोई भी प्रतियोगी परीक्षा हो कहीं भी पीछे नहीं है। बैंकिंग, आईटी, मेडिकल, इंजीनियरिंग, बिजनेस, और उद्यमिता प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता का लोहा मनवा रही है। हर वर्ष दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में लड़कियाँ बाजी मार रहीं हैं। खेलों, सौंदर्य प्रतियोगिताओं, पत्रकारिता, लेखन, डॉक्टर, वकील, प्रोफेसर, जज, प्रशासानिक आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है। यहाँ तक की राजनीति में भी वार्ड, सरपंच, प्रधान, विधानसभा, लोकसभा मंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति जैसे पदों पर भी

कि महिलाएँ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही है।

प्रश्न 11. विद्यालय की शैक्षिक यात्रा का वर्णन करते हुए माताजी को पत्र लिखें। 5

102, राजहंस छात्रावास
लाजपत नगर
नई दिल्ली
दिनाँक - 25.10.200

आदरणीय माताजी,

सादर प्रणाम।

आशा करता हूँ आप सभी स्वस्थ होंगे। मैं भी यहाँ छात्रावास में सकुशल हूँ। जैसा कि आपको पता ही है विद्यालय की तरफ से हम शैक्षिक यात्रा के लिए इस बार लखनऊ गए थे। उसी यात्रा के बारे में बताने के लिए मैंने यह पत्र आपको लिखा है। दिनाँक 12 अक्टूबर को हम ट्रेन द्वारा लखनऊ रवाना हुए। ट्रेन में भी हमें खूब मौज-मस्ती की। लखनऊ पहुँचने के बाद एक बंगले में हमें ठहराया गया था। प्रात:काल हमें लखनऊ की प्रसिद्ध जगहों पर ले जाया गया। माताजी वैसे तो मुझे वहाँ कि सभी जगहें अच्छी लगी परन्तु वहाँ के भूलभुलैया किले को मैं कभी भी नहीं भूल पाऊँगा, कारीगरी तथा योजना बद्ध तरीके का ऐसा अनुपम उदहारण कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। वहाँ की काफी सारी मीठी यादों के साथ हम सभी लौटे। पिताजी और भाईसाहब को मेरा सादर प्रणाम तथा छोटी बहन को प्यार।

आपका प्रिय पुत्र
सुशील

प्रश्न 12. दिए गए चित्र का वर्णन कीजिए। 5

उपर्युक्त चित्र एक बाजार से संबंधित है। चित्र में हमें सड़क के दोनों ओर लगा बाजार नजर आ रहा है। अनेक लोग दिखाई दे रहे हैं। उनमें से कुछ सामान खरीद रहे हैं, तो कुछ अपना सामान बेच रहे हैं। सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी चल रही है। सड़क के बीचों बीच एक तरबूजे की गाड़ी भी है।